

All Inclusive IAS – CSAT through PYQs

← Explanation video in English

Class-12

हिंदी में स्पष्टीकरण वीडियो →

2015 Set-A

Directions for the following items: Read the following passages and answer the items that follow each passage. Your answers to these items should be based on the passages only.

निम्नलिखित प्रश्नों के लिए निर्देश: निम्नलिखित परिच्छेदों को पढ़िए और प्रत्येक परिच्छेद के आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इन प्रश्नों के आपके उत्तर इन परिच्छेदों पर ही आधारित होने चाहिए।

Passage

Human history abounds in claims and theories confining the right of governing to a few select citizens. Exclusion of the many is justified on the ground that human beings may be rightfully segregated for the good of society and viability of the political process.

1. Which one of the following statements is *least essential* as a part of the argument in the above passage?
- (a) Man seeks control over external things affecting him.
(b) In society, there are 'super' and 'sub-human' beings.
(c) Exceptions to universal citizen participation are conducive to systemic efficacy.
(d) Governing implies recognition of disparities in individual capacities.

परिच्छेद

मानव इतिहास ऐसे दावों और सिद्धान्तों से भरा पड़ा है, जो शासन करने का अधिकार केवल कुछ चुनिंदा नागरिकों तक सीमित करते हैं। अधिकांश लोगों को इसमें शामिल न करना इस आधार पर न्यायोचित ठहराया गया है कि मानव को, समाज की भलाई और राजनीतिक प्रक्रिया की व्यवहार्यता के लिए, न्यायसंगत रूप से पृथक्कृत किया जा सकता है।

1. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक, उपर्युक्त परिच्छेद में युक्ति (आर्गुमेंट) के एक अंश के रूप में *न्यूनतम आवश्यक* है?
- (a) मानव, उसे प्रभावित करने वाली बाह्य वस्तुओं पर नियंत्रण पाने का प्रयास करता है।
(b) समाज में, 'अधिमानव (सुपरह्यूमन)' और 'अवमानव (सबह्यूमन)' होते हैं।
(c) सर्वजनीन नागरिक भागीदारी में अपवाद, पूरे तंत्र की क्षमता के लिए सहायक हैं।
(d) शासन करने में यह मान्यता निहित है कि अलग-अलग व्यक्तियों की क्षमताओं में असमानताएँ होती हैं।

Passage

By 2050, the Earth's population will likely have swelled from seven to nine billion people. To fill all those stomachs— while accounting for shifting consumption patterns, climate change, and a finite amount of arable land and potable water— some experts say food production will have to double. How can we make the numbers add up? Experts say higher yielding crop varieties and more efficient farming methods will be crucial. So will waste reduction. Experts urge cities to reclaim nutrients and water from waste streams and preserve farmland. Poor countries, they say, can improve crop storage and packaging and rich nations could cut back on resource-intensive foods like meat.

2. Which one of the following statements *best sums up* the above passage?
- (a) The population of the world is growing very fast.
(b) Food security is a perennial problem only in developing countries.
(c) The world does not have enough resources to meet the impending food scarcity
(d) Food security is increasingly a collective challenge.

परिच्छेद

वर्ष 2050 तक, पृथ्वी पर जनसंख्या संभावित रूप से सात अरब (बिलियन) से बढ़ कर नौ अरब हो चुकी होगी। उन सबका पेट भरने के लिए – उपभोग के बदलते हुए प्रतिरूपों, जलवायु परिवर्तन, और कृषि-योग्य भूमि तथा पेय जल की सीमित मात्रा को ध्यान में रखते हुए – कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि खाद्य उत्पादन दुगुना करना पड़ेगा। हम इसे किस प्रकार उपलब्ध कर सकते हैं? विशेषज्ञ कहते हैं कि अपेक्षाकृत अधिक उपज देने वाली फसलों की किस्में तथा कृषि के अपेक्षाकृत अधिक कुशल तरीके निर्णायक होंगे। इसी प्रकार संसाधनों को कम-से-कम व्यर्थ जाने देना भी निर्णायक होगा। विशेषज्ञों का आग्रह है कि नगरों की अपशिष्ट जलधाराओं (वेस्ट स्ट्रीम्स) से पोषक-तत्वों और जल को पुनः प्राप्त किया जाए, एवम कृषि भूमि का संरक्षण करें। वे कहते हैं कि निर्धन राष्ट्र अपने फसल भंडारण एवं पैकेजिंग में सुधार कर सकते हैं और समृद्ध राष्ट्र मांस जैसे संसाधन-सघन (रिसोर्स-इन्टेन्सिव) खाद्यों में कटौती कर सकते हैं।

2. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक, उपर्युक्त परिच्छेद का *सर्वोत्तम सारांश* रूप प्रस्तुत करता है?
- (a) विश्व की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है।
(b) खाद्य सुरक्षा केवल विकासशील देशों में ही एक चिरस्थायी समस्या है।
(c) खाद्य के सन्निकट अभाव को पूरा करने के लिए विश्व के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।
(d) खाद्य सुरक्षा एक लगातार बढ़ती हुई सामूहिक चुनौती है।

Passage

Many people in India feel that if we cut our defence expenditure on weapon-building, we can create a climate of peace with our neighbours, subsequently reducing the conflict or creating a no-war situation. People who proclaim such ideas are either the victims of war or the propagators of false argument.

परिच्छेद

भारत में अनेक लोगों का यह विचार है कि यदि हम शस्त्र-निर्माण पर अपने रक्षा व्यय को कम कर दें, तब हम अपने पड़ोसियों के साथ शांति का वातावरण बना सकते हैं, जिससे उत्तरोत्तर संघर्ष कम होगा अथवा युद्ध-मुक्त स्थिति बनेगी। जो लोग इस प्रकार के विचार घोषित करते हैं, वे या तो युद्ध पीड़ित हैं अथवा मिथ्या तर्क फैलाने वाले हैं।

Separate explanation videos are available in English & Hindi

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

www.allinclusiveias.com

UPSC / PCS

CSAT

Class-12

Page-081

© All Inclusive IAS

<p>3. With reference to the above passage, which of follow is the most valid assumption?</p> <p>(a) Building of weapons systems by us has instigated our neighbours to wage wars against us.</p> <p>(b) The greater spending on weapon-building by us would lessen the possibility of armed conflict with our neighbours.</p> <p>(c) It is necessary to have state of the art weapons systems for national security.</p> <p>(d) Many people in India believe that we are wasting our resources on weapon-building.</p>	<p>3. उपर्युक्त परिच्छेद के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सी एक सर्वाधिक वैध पूर्वधारणा (अजम्पशन) है?</p> <p>(a) हमारे शस्त्र-प्रणालियों के निर्माण से हमारे पड़ोसी हमारे विरुद्ध युद्ध के लिए उत्तेजित हुए हैं।</p> <p>(b) हम शस्त्र-निर्माण पर जितना अधिक व्यय करेंगे, हमारे पड़ोसियों के साथ सशस्त्र संघर्ष की संभावना उतनी ही कम होगी।</p> <p>(c) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि हमारे पास अत्याधुनिक शस्त्र-प्रणालियाँ हों।</p> <p>(d) भारत में अनेक लोगों का विश्वास है कि हम शस्त्र-निर्माण में अपने संसाधनों का अपव्यय कर रहे हैं।</p>
--	---

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>India accounts for nearly a fifth of the world's child deaths. In terms of numbers, it is the highest in the world nearly 16 lakhs every year. Of these, more than half die in the first month of life. Officials believe that the reason for this is the absence of steps to propagate basic health practices relating to breast feeding and immunisation. Also the large reproductive population of 2.6 crore remains bereft of care during the critical phases of pregnancy and post-delivery. Added to this is the prevalence of child marriages, anaemia among young women and lack of focus on adolescent sanitation, all of which impact child death rates.</p> <p>4. Which is the critical inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) A lot of Indians are illiterate and hence do not recognize the value of basic health practices.</p> <p>(b) India has a very huge population and the government alone cannot manage public health services.</p> <p>(c) Universalization and integration of maternal health and child health services can effectively address the problem.</p> <p>(d) The nutrition of women in child bearing age does not affect child mortality rate.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>विश्व की बाल मृत्यु में लगभग पाँचवाँ भाग भारत का है। संख्या के आधार पर, यह दुनिया में सर्वाधिक बाल मृत्यु है – लगभग 16 लाख प्रति वर्ष। इनमें से, आधे से अधिक की जीवन के प्रथम मास में ही मृत्यु हो जाती है। जैसा कि अधिकारियों का विश्वास है, इसका कारण यह है कि स्तनपान और प्रतिरक्षीकरण (इम्यूनाइजेशन) से संबंधित आधारभूत स्वास्थ्य आचरणों के प्रसार के लिए कदम नहीं उठाए गए हैं। साथ ही, 2.6 करोड़ की विशाल गर्भधारण-योग्य जनसंख्या गर्भावस्था तथा प्रसव-पश्चात् के संकटपूर्ण समय के दौरान देखभाल से वंचित भी बनी रहती है। इसमें बाल विवाहों का प्रचलन, युवतियों में अरक्तता (अनीमिया) तथा किशोरावस्था की स्वच्छता पर विशेष ध्यान न होना भी शामिल है, जो सभी बाल मृत्युदरों को प्रभावित करते हैं।</p> <p>4. उपर्युक्त परिच्छेद से, कौन-सा निर्णायक अनुमान (इनफेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>(a) बहुत से भारतीय निरक्षर हैं इसलिए आधारभूत स्वास्थ्य आचरणों का मूल्य नहीं पहचानते हैं।</p> <p>(b) भारत की जनसंख्या अति विशाल है और केवल सरकार ही लोक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन नहीं कर सकती।</p> <p>(c) मातृ स्वास्थ्य तथा बाल स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत करने और सबको सुलभ कराने से इस समस्या को प्रभावी रूप से हल किया जा सकता है।</p> <p>(d) गर्भधारण-योग्य महिलाओं का पोषण बाल मृत्युदर को प्रभावित नहीं करता।</p>
---	---

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Foods travel more than the people who eat them. Grocery stores and supermarkets are loaded with preserved and processed foods. This, however, often leads to environmental threats, such as pollution generated by long distance food transportation and wastage of food during processing and transportation, destruction of rain forests, reduced nutritional content, increased demand for preservation and packaging. Food insecurity also increases as the produce comes from regions that are not feeding their own population properly.</p> <p>5. With reference to the above passage, which of the following statements is/are true?</p> <p>1. Consuming regionally grown food and not depending on long travelled food is a part of ecofriendly behaviour.</p> <p>2. Food processing industry puts a burden on our natural resources.</p> <p>Select the correct answer using the code given below: (a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>खाद्य पदार्थ, उनको खाने वाले मनुष्यों की अपेक्षा, अधिक यात्रा करते हैं। किराना भण्डार और सुपर बाजार परिरक्षित (प्रिजर्वड) और प्रसंस्कृत (प्रॉसेस्ड) खाद्य पदार्थों से भरे पड़े हैं। तथापि, प्रायः उससे पर्यावरणीय खतरे भी बढ़ते हैं, जैसे लम्बी दूरी तक खाद्य पदार्थों के परिवहन से होने वाला प्रदूषण तथा प्रसंस्करण एवं परिवहन के दौरान खाद्य पदार्थ का व्यर्थ जाना, वर्षा-प्रचुर वनों का विनाश, पोषक अंश में कमी, परिरक्षण और पैकेजिंग की बढ़ी हुई माँग। खाद्य असुरक्षा भी बढ़ जाती है क्योंकि ये उत्पाद उन क्षेत्रों से आते हैं जो अपनी जनसंख्या को उपयुक्त खाद्य पदार्थ नहीं खिला पाते।</p> <p>5. उपर्युक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?</p> <p>1. क्षेत्रीय रूप से उगाए गए खाद्य पदार्थों का उपभोग करना और लंबी यात्रा से लाए गए खाद्य पदार्थों पर निर्भर न होना पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार का एक हिस्सा है।</p> <p>2. खाद्य प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग हमारे प्राकृतिक संसाधनों (रिसोर्सेज) पर बोझ डालता है।</p> <p>नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2</p>
--	---

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>I must say that, beyond occasionally exposing me to laughter, my constitutional shyness has been of no disadvantage whatever. In fact I can see that, on the contrary, it has been all to my advantage. My hesitancy in speech, which was once an annoyance, is now a pleasure. Its greatest benefit has been that it has taught me the economy of words. I have naturally formed the habit of restraining my thoughts. And I can now give myself the certificate that a thoughtless word hardly ever escapes my tongue or pen. I do not recollect ever having had to regret anything in my speech or writing. I have thus been spared many a mishap and waste of time. Experience has taught me that silence is part of the spiritual discipline of a votary of truth. Proneness to exaggerate, to suppress or modify the truth, wittingly or unwittingly, is a natural weakness of man, and silence is necessary in order to surmount it. A man of few words will rarely be thoughtless in his speech; he will measure every word. We find so many people impatient to talk. There is no chairman of a meeting who is not pestered with notes for permission to speak. And whenever the permission is given the speaker generally exceeds the time-limit, asks for more time, and keeps on talking without permission. All this talking can hardly be said to be of any benefit to the world. It is so much waste of time. My shyness has been in reality my shield and buckler. It has allowed me to grow. It has helped me in my discernment of truth.</p> <p>6. The author says that a thoughtless word hardly ever escapes his tongue or pen. Which one of the following is not a valid reason for this?</p> <p>(a) He has no intention to waste his time. (b) He believes in the economy of words. (c) He believes in restraining his thoughts. (d) He has hesitancy in his speech.</p> <p>7. The most appropriate reason for the author to be spared many a mishap is that</p> <p>(a) he hardly utters or writes a thoughtless word. (b) he is a man of immense patience. (c) he believes that he is a spiritual person. (d) he is a votary of truth.</p> <p>8. For the author, silence is necessary in order to surmount</p> <p>(a) constitutional shyness (b) hesitancy in speech (c) suppression of thoughts (d) tendency to overstate</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>में पक्के तौर पर कह सकता हूँ कि मेरे स्वाभाविक शर्मीलेपन के कारण, सिवाय यदा-कदा हास्य का पात्र बन जाने के, मेरा किसी तरह और कोई नुकसान नहीं हुआ। वास्तव में, आज मुझे लगता है, कि इसके विपरीत, मुझे कुछ फायदा ही हुआ। बोलने का जो संकोच मुझे पहले कष्टकर था, वह अब सुखकर है। इसका सबसे बड़ा लाभ तो यह हुआ कि इसने मुझे शब्दों की मितव्ययिता सिखाई। मुझे अपने विचारों पर काबू रखने की आदत सहज ही पड़ गई। और अब मैं खुद को यह प्रमाण-पत्र दे सकता हूँ कि मेरी जीभ या कलम से बिना विचारे शायद ही कोई शब्द निकलता हो। मुझे याद नहीं पड़ता कि अपने भाषण या लेख के किसी अंश के लिए मुझे कभी पछताना पड़ा हो। इस तरह मैं अनेक खतरों से बचा हूँ और मेरा बहुत-सा समय बचा है। अनुभव ने मुझे यह सिखाया है कि सत्य के उपासक के लिए मौन उसके आध्यात्मिक अनुशासन का अंग है। मनुष्य की यह स्वाभाविक कमजोरी है कि वह जाने-अनजाने में अक्सर बढ़ा-चढ़ा कर बोलता है अथवा जो कहने योग्य है उसे छिपाता है या भिन्न रूप में कहता है। इस पर विजय पाने के लिए भी मौन आवश्यक है। कम बोलने वाला बिना विचारे न बोलेगा; अपने प्रत्येक शब्द को तौलेगा। हम देखते हैं कि बहुत से मनुष्य बोलने के लिए आतुर रहते हैं। किसी बैठक का ऐसा कोई सभापति न होगा जिसे बोलने की अनुमति माँगने वाली चिट्ठों से परेशान न होना पड़ा हो। और जब भी बोलने का समय दिया जाता है तो वक्ता आमतौर पर समय-सीमा से आगे बढ़ जाता है, और अधिक समय की माँग करता है, और बिना इजाजत के भी बोलता रहता है। इस सारे बोलने से दुनिया का कोई लाभ हुआ हो ऐसा शायद ही कहा जा सकता है। यह समय का घोर अपव्यय है। मेरी लज्जाशीलता दरअसल मेरी ढाल और आड़ ही बनी रही। उससे मुझे परिपक्व होने का लाभ मिला। सत्य को पहचानने में मुझे उससे सहायता मिली।</p> <p>6. लेखक कहता है कि उसकी जीभ या कलम से बिना विचारे शायद ही कोई शब्द निकलता हो। निम्नलिखित में से कौन-सा एक, इसका वैध कारण नहीं है?</p> <p>(a) अपना समय बर्बाद करने का उसका कोई इरादा नहीं है। (b) वह शब्दों की मितव्ययिता में विश्वास करता है। (c) वह अपने विचारों पर काबू रखने में विश्वास करता है। (d) उसे बोलने में संकोच होता है।</p> <p>7. लेखक के अनेक खतरों से बचे रहने का सर्वाधिक उपयुक्त कारण क्या है?</p> <p>(a) वह बिना विचारे शायद ही कोई शब्द बोलता या लिखता है। (b) वह अत्यंत धैर्यशाली व्यक्ति है। (c) उसका विश्वास है कि वह एक आध्यात्मिक व्यक्ति है। (d) वह सत्य का उपासक है।</p> <p>8. लेखक के लिए, किस पर विजय पाने के लिए मौन आवश्यक है?</p> <p>(a) स्वाभाविक शर्मीलापन (b) बोलने में संकोच (c) विचारों पर काबू रखना (d) बढ़ा-चढ़ा कर बोलने की प्रवृत्ति</p>					
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>The richer States have a responsibility to cut down carbon emissions and promote clean energy investments. These are the States that got electricity, grew faster and now have high per capita income, making them capable of sharing India's burden of becoming eco-friendly. Delhi, for example, can help by generating its own clean electricity using solar rooftop panels or even help poor States finance their clean energy projects. It is no secret that State Electricity Boards, which control 95% of the distribution network, are neck-deep in losses. These losses further discourage State utilities from adopting renewable energy as it is more expensive than fossil fuels.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे कार्बन उत्सर्जन को कम करें और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में निवेश को प्रोत्साहित करें। ये वे राज्य हैं, जिनको बिजली उपलब्ध है, जिनका विकास अपेक्षाकृत तीव्र गति से हुआ है और जिनकी प्रति व्यक्ति आय अब उच्च है, जिस कारण वे भारत को पर्यावरण-अनुकूल बनाने का भार वहन करने हेतु सक्षम हुए हैं। दिल्ली, उदाहरण के लिए, इस रूप में मदद कर सकती है कि वह छतों के ऊपर सौर पैनल के प्रयोग से अपने स्वयं के उपयोग की स्वच्छ बिजली उत्पादित करे या वह निर्धन राज्यों को उनकी स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण करके भी मदद कर सकती है। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि राज्य विद्युत् बोर्ड, जो वितरण परिपथ-जाल (डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क) के 95% भाग को नियंत्रित करते हैं, अत्यधिक गहरे घाटे में डूबे हुए हैं। ये घाटे आगे राज्य के सेवा-प्रदाताओं (यूटिलिटीज) को नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने से हतोत्साहित करते हैं क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना जीवाश्मी ईंधनों को अपनाने से अधिक महंगा है।</p>					
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>						
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं</p>	<p>Class-12</p>	<p>Page-083</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

<p>21. Which among the following is the <u>most logical and rational assumption</u> that can be made from the above passage?</p> <p>(a) The richer States must lead in the production and adoption of renewable energy.</p> <p>(b) The poor States always have to depend on rich States for electricity.</p> <p>(c) The State Electricity Boards can improve their finances by undertaking clean energy projects.</p> <p>(d) The high economic disparity between the rich and poor States is the major cause of high carbon emissions in India.</p>	<p>21. निम्नलिखित में से कौन-सी <u>सर्वाधिक तार्किक और युक्तिसंगत पूर्वधारणा</u> उपर्युक्त परिच्छेद से बनाई जा सकती है?</p> <p>(a) अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों को नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादित करने और अपनाने में अग्रणी होना चाहिए।</p> <p>(b) निर्धन राज्यों को विद्युत् के लिए सदा समृद्ध राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है।</p> <p>(c) राज्य विद्युत् बोर्ड स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को अपनाकर अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार ला सकते हैं।</p> <p>(d) समृद्ध और निर्धन राज्यों के बीच अत्यधिक आर्थिक असमानता, भारत में अधिक कार्बन उत्सर्जन का प्रमुख कारण है।</p>					
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Set against a rural backdrop, 'stench of kerosene' is the story of a couple, Guleri and Manak, who have been happily married for several years but do not have a child. Manak's mother is desperate to have a grandchild to carry on the family name. Hence, she gets Manak remarried in Guleri's absence. Manak, who acts as a reluctant but passive spectator, is meanwhile, informed by a friend that Guleri, on hearing about her husband's second marriage, poured kerosene on her clothes and set fire to them. Manak is heartbroken and begins to live as if he were a dead man. When his second wife delivers a son, Manak stares at the child for a long time and blurts out, "Take him away! He stinks of kerosene."</p> <p>22. This is a sensitive issue-based story which tries to sensitise the readers about</p> <p>(a) Male chauvinism and infidelity</p> <p>(b) Love and betrayal</p> <p>(c) Lack of legal safeguards for women</p> <p>(d) Influence of patriarchal mindset</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>'स्टेंच ऑफ़ केरोसीन', ग्रामीण पृष्ठभूमि में सजाई गई, अनेक वर्षों से विवाहित किंतु निःसंतान दम्पति गुलेरी और मानक की कहानी है। मानक की मां खानदान के नाम को आगे जारी रखने हेतु एक पोता पाने के लिए तड़प रही है। अतः वह गुलेरी की गैर मौजूदगी में मानक का पुनर्विवाह करा देती है। मानक को, जो अनिच्छुक और निष्क्रिय दर्शक सा बना रहता है, इस बीच उसका एक मित्र सूचित करता है कि गुलेरी ने पति के दूसरे विवाह की बात सुनकर अपने कपड़ों पर केरोसीन डाल कर आग लगा ली थी। इससे मानक का दिल टूट जाता है और वह एक मुर्दा इन्सान की तरह जीवन व्यतीत करने लगता है। जब उसकी दूसरी पत्नी एक पुत्र को जन्म देती है, तो मानक बच्चे को बहुत देर तक घूरता रहता है और फिर फूट पड़ता है, "इसे यहाँ से दूर करो! इससे केरोसीन की दुर्गंध आती है।"</p> <p>22. यह संवेदनशील समस्या-आधारित कहानी पाठकों को किसके बारे में जागरूक करने का प्रयास करती है?</p> <p>(a) पुरुषवाद (मेल शोविनिज्म) और अन्यगमन (इनफिडेलिटी)</p> <p>(b) प्यार और विश्वासघात</p> <p>(c) महिलाओं के लिए विधिक संरक्षण की कमी</p> <p>(d) पितृतंत्रात्मक मनोवृत्ति का प्रभाव</p>					
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>The ultimate aim of government is not to rule or control by fear, nor to demand obedience, but conversely, to free every man from fear, that he may live in all possible security. In other words, to strengthen his natural right to exist and work without injury to himself or others. The object of government is not to change men from rational beings into beasts or puppets. It should enable them to develop their minds and bodies in security, and to employ their reason unshackled.</p> <p>23. Which among the following is the <u>most logical and rational inference</u> that can be made from the above passage?</p> <p>(a) The true aim of government is to secure the citizens their social and political freedom.</p> <p>(b) The primary concern of government is to provide absolute social security to all its citizens.</p> <p>(c) The best government is the one that allows the citizens to enjoy absolute liberty in all matters of life.</p> <p>(d) The best government is the one that provides absolute physical security to the people of the country.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>सरकार का चरम लक्ष्य डराकर शासन करना या नियंत्रण करना नहीं है, और न ही आज्ञाकारिता की अपेक्षा रखना है, बल्कि उसके विपरीत, प्रत्येक व्यक्ति को डर से मुक्त करना है जिससे वह हर तरह से संभव सुरक्षित जीवन जी सके। दूसरे शब्दों में लोगों के, बिना खुद को या दूसरों को हानि पहुँचाए, अस्तित्व बनाए रखने और काम करने के नैसर्गिक अधिकार को सशक्त करना है। सरकार का उद्देश्य लोगों को विवेकशील व्यक्तियों से बदल कर उन्हें पशु या कठपुतलियाँ बनाना नहीं है। सरकार को इस प्रकार सहायक होना चाहिए कि लोग सुरक्षित महसूस करते हुए अपनी बुद्धि और शरीर को विकसित करने और मुक्त हो कर अपने विवेक का प्रयोग करने में समर्थ बन सकें।</p> <p>23. निम्नलिखित में से कौन-सा <u>सर्वाधिक तार्किक और युक्तिसंगत अनुमान (इनफेरेंस)</u> उपर्युक्त परिच्छेद से निकाला जा सकता है?</p> <p>(a) सरकार का वास्तविक लक्ष्य नागरिकों की सामाजिक एवं राजनीतिक स्वतंत्रता सुरक्षित करना है।</p> <p>(b) सरकार का प्राथमिक सरोकार अपने सभी नागरिकों को पूर्ण सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।</p> <p>(c) सर्वश्रेष्ठ सरकार वह है जो नागरिकों को जीवन के सभी विषयों में पूर्ण स्वतंत्रता देती है।</p> <p>(d) सर्वश्रेष्ठ सरकार वह है जो देश के लोगों को पूर्णशारीरिक सुरक्षा प्रदान करती है।</p>					
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>						
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं</p>	<p>Class-12</p>	<p>Page-084</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Our municipal corporations are understaffed. The issue of skills and competencies of the staff poses an even greater challenge. Urban services delivery and infrastructure are complex to plan and execute. They require a high degree of specialization and professionalism. The current framework within which municipal employees, including senior management, are recruited does not adequately factor in the technical and managerial competencies required. Cadre and recruitment rules only specify the bare minimum in academic qualifications. There is no mention of managerial or technical competencies, or of relevant work experience. This is the case with most municipal corporations. They also suffer from weak organisation design and structure.</p> <p>24. Which among the following is the most logical and rational assumption that can be made from the above passage?</p> <p>(a) The task of providing urban services is a complex issue which requires the organisational expansion of municipal bodies all over the country.</p> <p>(b) Our cities can provide better quality of life if our local government bodies have adequate staff with required skills and competencies.</p> <p>(c) Lack of skilled staff is due to the absence of institutions which offer the requisite skills in city management.</p> <p>(d) Our country is not taking advantage of the demographic dividend to manage the problems associated with rapid urbanization.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>हमारे नगर निगमों में कर्मचारियों की कमी है। कर्मचारियों के कौशलों और सक्षमताओं का मुद्दा और भी बड़ी चुनौती खड़ी करता है। शहरी सेवाओं के प्रदान किए जाने की और आधारिक संरचना की योजना बनाना और निष्पादित करना बहुत जटिल कार्य है। इनके लिए उच्च कोटि की विशेषज्ञता और वृत्ति-दक्षता (प्रोफेशनलिज्म) की आवश्यकता है। वर्तमान में जिस ढाँचे के अंतर्गत नगर निगमों में वरिष्ठ प्रबंधकों समेत कर्मचारियों की भर्ती की जा रही है, उसमें अपेक्षित तकनीकी और प्रबंधकीय सक्षमताओं के लिए पर्याप्त रूप से प्रावधान नहीं हैं। काडर और भर्ती नियम सिर्फ न्यूनतम शैक्षिक योग्यताओं का निर्धारण करते हैं। उनमें प्रबंधकीय या तकनीकी सक्षमताओं का, या संगत कार्य अनुभव का, कोई उल्लेख नहीं होता। अधिकांश नगर निगमों की यही स्थिति है। उनका संगठनीय अभिकल्प (डिजाइन) और संरचना भी कमजोर है।</p> <p>24. निम्नलिखित में से कौन-सी सर्वाधिक तार्किक और युक्तिसंगत पूर्वधारणा (अज़म्शन) उपर्युक्त परिच्छेद से बनाई जा सकती है?</p> <p>(a) शहरी सेवाओं के प्रदान किए जाने का कार्य बहुत जटिल मुद्दा है, जिसके लिए पूरे देश में नगर निकायों के संगठन विस्तार की आवश्यकता है।</p> <p>(b) हमारे शहर बेहतर गुणतायुक्त जीवन उपलब्ध करा सकते हैं यदि हमारे स्थानीय शासकीय निकायों के पास अपेक्षित कौशल और सक्षमताओं वाले यथेष्ट कर्मचारी हों।</p> <p>(c) कौशलयुक्त कर्मचारियों की कमी ऐसी संस्थाओं के अभाव के कारण है जो नगर प्रबंधन में अपेक्षित कौशल प्रदान करें।</p> <p>(d) हमारा देश तीव्रता से हो रहे शहरीकरण की समस्याओं के प्रबंधन के लिए जनांकिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) का लाभ नहीं उठा रहा है।</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Flamingos in large flocks in the wild are social and extremely loyal. They perform group mating dances. Parents are very fond of their chicks, gathering them into creches for protection while both males and females fly off to search for food.</p> <p>25. Which among the following is the most logical corollary to the above passage?</p> <p>(a) Mass nesting in all species of birds is essential to ensure complete survival of their offspring.</p> <p>(b) Only birds have the capacity to develop social behaviour and thus can do mass nesting to raise their chicks in safety.</p> <p>(c) Social behaviour in some species of birds increases the odds of survival in an unsafe world.</p> <p>(d) All species of birds set up creches for their chicks to teach them social behaviour and loyalty.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>वनों में बड़े झुण्डों में रहने वाले फ्लेमिंगो सामाजिक और अत्यंत निष्ठावान होते हैं। वे समूह संगम नृत्य करते हैं। नर और मादा पक्षी अपने चूजों से बहुत प्यार करते हैं, और जब नर और मादा दोनों भोजन की तलाश में दूर उड़ जाते हैं तब सुरक्षा के लिए उन चूजों को क्रेशों (creches) में एकत्र रख जाते हैं।</p> <p>25. निम्नलिखित में से कौन-सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सबसे तर्कसंगत उपनिगमन (कोरोलरी) है?</p> <p>(a) सभी स्पीशीज़ के पक्षियों में सामूहिक नीडन (मास नेस्टिंग) अनिवार्य है ताकि उनकी संततियाँ पूरी तरह जीवित बनी रहें।</p> <p>(b) सिर्फ पक्षियों में सामाजिक व्यवहार विकसित करने की क्षमता होती है अतः वे अपने चूजों को सुरक्षापूर्वक पालने के लिए सामूहिक नीडन अपना सकते हैं।</p> <p>(c) कुछ स्पीशीज़ के पक्षियों में सामाजिक व्यवहार, असुरक्षित विश्व में जीवित बने रहने की विषमताओं को बढ़ा देता है।</p> <p>(d) सभी स्पीशीज़ के पक्षी अपने चूजों को सामाजिक व्यवहार और निष्ठा सिखाने के लिए क्रेशों (creches) की स्थापना करते हैं।</p>				
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>					
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>Class-12</p>	<p>Page-085</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Vast numbers of Indian citizens without bank accounts live in rural areas, are financially and functionally illiterate, and have little experience with technology. A research study was conducted in a particular area in which electronic wage payments in Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme (MGNREGS) are meant to go directly to the poor. It was observed that recipients often assume that the village leader needs to mediate the process, as was the case under the previous paper-based system. Among households under this research study area who claimed to have at least one bank account, over a third reported still receiving MGNREGS wages in cash directly from a village leader.</p> <p>26. What is the most logical, rational and crucial message that is implied in the above passage?</p> <p>(a) MGNREGS should be extended only to those who have a bank account.</p> <p>(b) The paper-based system of payments is more efficient than electronic payment in the present scenario.</p> <p>(c) The goal of electronic wage payments was not to eliminate mediation by village leaders.</p> <p>(d) It is essential to provide financial literacy to the rural poor.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>बहुत बड़ी संख्या में ऐसे भारतीय नागरिक ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं जिनके बैंक खाते नहीं हैं। ये वित्तीय और प्रकार्यात्मक (फंक्शनल) रूप से अशिक्षित हैं, और प्रौद्योगिकी के साथ इनका अनुभव नगण्य है। एक विशेष क्षेत्र में, जहाँ महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (MGNREGS) के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के रूप में मजदूरी सीधे निर्धनों को दी जानी होती है, एक अनुसंधानपरक अध्ययन किया गया। यह पाया गया कि मजदूरी प्राप्त करने वाले प्रायः यह मान लेते हैं कि इस प्रक्रिया में गाँव के नेता की मध्यस्थता आवश्यक है, जैसा कि पूर्व में कागज़ों पर आधारित व्यवस्था में होता था। इस अनुसंधानपरक अध्ययन के अंतर्गत, कम-से-कम एक बैंक खाता रखने का दावा करने वाले परिवारों में से एक-तिहाई से अधिक परिवारों ने बताया कि वे अभी भी MGNREGS की मजदूरी नकद रूप में सीधे गाँव के नेता से प्राप्त कर रहे हैं।</p> <p>26. उपर्युक्त परिच्छेद में निहित सर्वाधिक तार्किक, तर्कसंगत और महत्वपूर्ण सन्देश क्या है?</p> <p>(a) MGNREGS का प्रसार सिर्फ उन तक किया जाना चाहिए जिनके पास बैंक खाता है।</p> <p>(b) वर्तमान परिदृश्य में कागज़ों पर आधारित भुगतान व्यवस्था इलेक्ट्रॉनिक भुगतान व्यवस्था से अधिक दक्ष है।</p> <p>(c) मजदूरी के इलेक्ट्रॉनिक भुगतान का लक्ष्य गाँव के नेताओं की मध्यस्थता को समाप्त करना नहीं था।</p> <p>(d) ग्रामीण निर्धनों को वित्तीय साक्षरता उपलब्ध कराना आवश्यक है।</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>Individuals, groups and leaders who promote human development operate under strong institutional, structural and political constraints that affect policy options. But experience suggests broad principles for shaping an appropriate agenda for human development. One important finding from several decades of human development experience is that focusing exclusively on economic growth is problematic. While we have good knowledge about how to advance health and education, the causes of growth are much less certain and growth is often elusive. Further, an unbalanced emphasis on growth is often associated with negative environmental consequences and adverse distributional effects. The experience of China, with its impressive growth record, reflects these broader concerns and underlines the importance of balanced approaches that emphasize investments in the non-income aspects of human development.</p> <p>27. With reference to the above passage, consider the following statements:</p> <ol style="list-style-type: none"> In developing countries, a strong institutional framework is the only requirement for human development and policy options. Human development and economic growth are not always positively inter-related. Focusing only on human development should be the goal of economic growth. <p>Which of the above statements is/are correct?</p> <p>(a) 1 only (b) 2 and 3 only (c) 2 only (d) 1, 2 and 3</p> <p>28. With reference to the above passage, the following assumptions have been made:</p> <ol style="list-style-type: none"> Higher economic growth is essential to ensure reduction in economic disparity. Environmental degradation is sometimes a consequence of economic growth. <p>Which of the above is/are valid assumption/assumptions?</p> <p>(a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>मानव विकास को संवर्धित करने वाले व्यक्ति, समूह और नेता कड़ी संस्थागत, संरचनात्मक और राजनीतिक बाध्यताओं के अंतर्गत कार्य करते हैं जिनसे नीति के विकल्प प्रभावित होते हैं। किंतु अनुभव यह सुझाव देता है कि मानव विकास हेतु एक उपयुक्त कार्यसूची को आकार देने के लिए व्यापक सिद्धांतों की आवश्यकता होती है। अनेक दशकों के मानव विकास के अनुभव से इस एक महत्वपूर्ण बात का पता लगा है कि आर्थिक संवृद्धि पर ही अनन्य रूप से ध्यान केंद्रित करने से समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। हमारे पास स्वास्थ्य और शिक्षा को उन्नत करने के तरीकों की अच्छी जानकारी तो है, लेकिन संवृद्धि किन कारणों से होती है इसे समझने में काफी कमी है और संवृद्धि प्रायः भ्रामक है। साथ ही, संवृद्धि पर असंतुलित रूप से बल देने से प्रायः पर्यावरण पर नकारात्मक परिणाम और वितरण में प्रतिकूल प्रभाव होते हैं। संवृद्धि के प्रभावशाली कीर्तिमान वाला चीन का अनुभव, इन व्यापक सरोकारों को प्रतिबिंबित करता है और मानव विकास के गैर-आय पहलुओं में निवेश को प्रमुखता देने वाले संतुलित दृष्टिकोणों के साथ आगे बढ़ने के महत्व पर बल देता है।</p> <p>27. उपर्युक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए</p> <ol style="list-style-type: none"> विकासशील देशों में, मानव विकास और नीति विकल्पों के लिए मजबूत संस्थागत संरचना ही एकमात्र आवश्यकता है। मानव विकास और आर्थिक संवृद्धि सदैव सकारात्मक रूप से परस्पर संबंधित नहीं हैं। केवल मानव विकास पर ही बल देना, आर्थिक संवृद्धि का लक्ष्य होना चाहिए। <p>उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?</p> <p>(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 2 (d) 1, 2 और 3</p> <p>28. उपर्युक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं</p> <ol style="list-style-type: none"> आर्थिक असमानता में कमी सुनिश्चित करने के लिए उच्चतर आर्थिक संवृद्धि अनिवार्य है। पर्यावरण का निम्नीकरण, कभी-कभी आर्थिक संवृद्धि का ही परिणाम होता है। <p>उपर्युक्त में से कौन-सी/से धारणा/धारणाएँ हैं/हैं?</p> <p>(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2</p>				
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>					
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>Class-12</p>	<p>Page-086</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

<p style="text-align: center;"><i>Passage</i></p> <p>Climate change is already making many people hungry all over the world, by disrupting crop yields and pushing up prices. And it is not just food but nutrients that are becoming scarcer as the climate changes. It is the poorest communities that will suffer the worst effects of climate change, including increased hunger and malnutrition as crop production and livelihoods are threatened. On the other hand, poverty is a driver of climate change, as desperate communities resort to unsustainable use of resources to meet current needs.</p> <p>41. Which among the following is the most logical corollary to the above passage?</p> <p>(a) Government should allocate more funds to poverty alleviation programmes and increase food subsidies to the poor communities.</p> <p>(b) Poverty and climate impacts reinforce each other and therefore we have to re-imagine our food systems.</p> <p>(c) All the countries of the world must unite in fighting poverty and malnutrition and treat poverty as a global problem.</p> <p>(d) We must stop unsustainable agricultural practices immediately and control food prices.</p>	<p style="text-align: center;"><i>परिच्छेद</i></p> <p>जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों की उपज में रुकावट और कीमतों में वृद्धि होने की वजह से, पूरे विश्व में बहुत सारे लोग पहले से ही भुखमरी का शिकार हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण केवल खाद्य ही नहीं बल्कि पोषक-तत्त्व भी अपर्याप्त होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे फसलों की उपज और जीविका पर ख़तरे की स्थिति बन रही है, सबसे गरीब समुदायों को ही, भुखमरी और कुपोषण के बढ़ने के समेत, जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों से ग्रस्त होना पड़ेगा। दूसरी ओर, गरीबी जलवायु परिवर्तन की कारक है, क्योंकि निराशोन्मत्त समुदाय अपनी वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधनों के अधारणीय (अनसस्टेनबल) उपयोग का आश्रय लेते हैं।</p> <p>41. निम्नलिखित में से कौन-सा, उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वाधिक तार्किक उपनिगमन (कोरोलरी) है?</p> <p>(a) सरकार को गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए अधिक निधियों का आबंटन करना चाहिए और निर्धन समुदायों को दिए जाने वाले खाद्य उपदानों (सब्सिडीज़) में वृद्धि करनी चाहिए।</p> <p>(b) निर्धनता तथा जलवायु के प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ावा देते हैं और इसलिए हमें अपनी खाद्य प्रणालियों की पुनर्कल्पना करनी होगी।</p> <p>(c) विश्व के सभी देशों को गरीबी और कुपोषण से लड़ने के लिए एकजुट होना ही चाहिए और गरीबी को एक सार्वभौम समस्या की भाँति देखना चाहिए।</p> <p>(d) हमें तुरन्त अधारणीय (अनसस्टेनबल) कृषि पद्धतियों को बंद कर देना चाहिए और खाद्य कीमतों को नियंत्रित करना चाहिए।</p>
--	---

<p style="text-align: center;"><i>Passage</i></p> <p>The Global Financial Stability Report finds that the share of portfolio investments from advanced economies in the total debt and equity investments in emerging economies has doubled in the past decade to 12 percent. The phenomenon has implications for Indian policy makers as foreign portfolio investments in the debt and equity markets have been on the rise. The phenomenon is also flagged as a threat that could compromise global financial stability in a chain reaction, in the event of United States Federal Reserve's imminent reversal of its "Quantitative Easing" policy.</p> <p>42. Which among the following is the most rational and critical inference that can be made from the above passage?</p> <p>(a) Foreign portfolio investments are not good for emerging economies.</p> <p>(b) Advanced economies undermine the global financial stability.</p> <p>(c) India should desist from accepting foreign portfolio investments in the future.</p> <p>(d) Emerging economies are at a risk of shock from advanced economies.</p>	<p style="text-align: center;"><i>परिच्छेद</i></p> <p>विश्व वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (ग्लोबल फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट) ने पाया है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के कुल ऋण और इक्विटी निवेशों में, किया गया पोर्टफोलियो निवेश का अंश पिछले दशक में दुगुना होकर 12 प्रतिशत हो गया है। इस घटना के भारतीय नीति निर्माताओं पर प्रभाव संभावित हैं क्योंकि ऋण तथा इक्विटी बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बढ़ता रहा है। इस घटना को एक आशंका भी बताया जा रहा है कि यूनाइटेड स्टेट्स फेडरल रिज़र्व की "मात्रात्मक ढील (क्वांटिटेटिव ईज़िंग)" नीति में आसन्न उत्क्रमण (इम्पिनेंट रिवर्सल) होने की दशा में, एक शृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में विश्व की वित्तीय स्थिरता ख़तरे में पड़ सकती है।</p> <p>42. उपर्युक्त परिच्छेद से, निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक तर्कसंगत और निर्णायक अनुमान (इन्फेरेंस) निकाला जा सकता है?</p> <p>(a) उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के लिए विदेशी पोर्टफोलियो निवेश अच्छे नहीं हैं।</p> <p>(b) उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ विश्व की वित्तीय स्थिरता को खोखला करती हैं।</p> <p>(c) भारत को भविष्य में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश स्वीकार करने से बचना चाहिए।</p> <p>(d) उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से मिलने वाले आघात का खतरा रहता है।</p>
---	--

Passage

Open defecation is disastrous when practised in very densely populated areas, where it is impossible to keep away human faeces from crops, wells, food and children's hands. Groundwater is also contaminated by open defecation. Many ingested germs and worms spread diseases. They prevent the body from absorbing calories and nutrients. Nearly one-half of India's children remain malnourished. Lakhs of them die from preventable conditions. Diarrhoea leaves Indians' bodies smaller on average than those of people in some poorer countries where people eat fewer calories. Underweight mothers produce stunted babies prone to sickness who may fail to develop their full cognitive potential. The germs released into environment harm rich and poor alike, even those who use latrines.

43. Which among the following is the most critical inference that can be made from the above passage?

- (a) The Central and State governments in India do not have enough resources to afford a latrine for each household.
- (b) Open defecation is the most important public health problem of India.
- (c) Open defecation reduces the human capital of India's workforce.
- (d) Open defecation is a public health problem in all developing countries.

परिच्छेद

खुले में मलत्याग अनर्थकारी हो सकता है, जब यह अति सघन आबादी वाले क्षेत्रों में व्यवहार में लाया जा रहा हो, जहाँ मानव मल को फसलों, कुओं, खाद्य सामग्रियों और बच्चों के हाथों से दूर रखना असंभव होता है। भूमि जल (ग्राउन्डवाटर) भी खुले में किए गए मलत्याग से संदूषित हो जाता है। आहार में गए अनेक रोगाणु और कृमियाँ बीमारियाँ फैलाते हैं। वे शरीर को कैलोरियों और पोषक तत्वों का अवशोषण करने लायक नहीं रहने देते। भारत के लगभग आधे बच्चे कुपोषित बने रहते हैं। उनमें से लाखों, उन रोग-दशाओं से मर जाते हैं जिनसे बचाव सम्भव था। अतिसार (डायरिया) के कारण भारतीयों के शरीर औसत रूप से उन लोगों से छोटे हैं जो अपेक्षाकृत गरीब देशों के हैं, जहाँ लोग खाने में अपेक्षाकृत कम कैलोरियाँ लेते हैं। न्यून-भार (अंडरवेट) माताएँ ऐसे अविकसित (स्टटेड) बच्चे पैदा करती हैं जो आसानी से बीमारी का शिकार हो सकते हैं और अपनी पूरी संज्ञानात्मक संभावनाओं (कोग्निटिव पोटेन्शियल) को विकसित करने में असफल रह सकते हैं। जो रोगाणु पर्यावरण में निर्मुक्त हो जाते हैं वे न केवल अमीर और गरीब, बल्कि शौचालयों का प्रयोग करने वालों को भी, एकसमान हानि पहुँचाते हैं।

43. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सा, सबसे निर्णायक अनुमान (इन्फेरेंस) निकाला जा सकता है?

- (a) भारत की केंद्रीय और राज्य सरकारों के पास इतने पर्याप्त संसाधन नहीं हैं कि प्रत्येक घर के लिए एक शौचालय सुलभ करा सकें।
- (b) खुले में मलत्याग भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण लोक स्वास्थ्य समस्या है।
- (c) खुले में मलत्याग, भारत के कार्यबल (वर्क-फोर्स) की मानव-पूँजी (ह्यूमन कैपिटल) में हास लाता है।
- (d) खुले में मलत्याग सभी विकासशील देशों की लोक स्वास्थ्य समस्या है।

Passage

We generally talk about democracy but when it comes to any particular thing, we prefer a belonging to our caste or community or religion. So long as we have this kind of temptation, our democracy will remain a phoney kind of democracy. We must be in a position to respect a man as a man and to extend opportunities for development to those who deserve them and not to those who happen to belong to our community or race. This fact of favouritism has been responsible for much discontent and illwill in our country.

44. Which one of the following statements best sums up the above passage?

- (a) Our country has a lot of diversity with its many castes, communities and religions.
- (b) True democracy could be established by providing equal opportunities to all.
- (c) So far none of us have actually understood the meaning of democracy.
- (d) It will never be possible for us to establish truly democratic governance in our country.

परिच्छेद

हम सामान्यतः लोकतंत्र की बात करते हैं पर जब किसी विषय-विशेष पर बात आती है, तो हम अपनी जाति या समुदाय या धर्म से सम्बन्ध रखना ज्यादा पसन्द करते हैं। जब तक हम इस तरह के प्रलोभन से ग्रस्त रहेंगे, हमारा लोकतंत्र एक बनावटी लोकतंत्र बना रहेगा। हमें इस स्थिति में होना चाहिए कि मनुष्य को मनुष्य की इज्जत मिले और विकास के अवसर उन तक पहुँचें जो उसके योग्य हैं न कि उन्हें जो अपने समुदाय या प्रजाति के हैं। हमारे देश में पक्षपात का यह तथ्य बहत असंतोष और दुर्भावना के लिए उत्तरदायी रहा है।

44. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक, उपर्युक्त परिच्छेद का सर्वोत्तम सारांश प्रस्तुत करता है?

- (a) हमारे देश में अनेक जातियों, समुदायों और धर्मों की अत्यधिक विविधता है।
- (b) सच्चा लोकतंत्र सभी को समान अवसर देकर ही स्थापित किया जा सकता है।
- (c) अब तक हममें से कोई भी वास्तव में लोकतंत्र का अर्थ समझ नहीं सका है।
- (d) हमारे लिए कभी सम्भव नहीं होगा कि हम अपने देश में सच्चा लोकतांत्रिक शासन स्थापित कर सकें।

Passage

The existence/establishment of formal financial institutions that offer safe, reliable, and alternative financial instruments is fundamental in mobilising savings. To save, individuals need access to safe and reliable financial institutions, such as banks, and to appropriate financial instruments and reasonable financial incentives. Such access is not always available to all people in developing countries like India and more so, in rural areas. Savings help poor households manage volatility in cash flow, smoothen consumption, and build working capital. Poor households without access to a formal savings mechanism encourage immediate spending temptations.

45. With reference to the above passage, consider the following statements:

1. Indian financial institutions do not offer any financial instruments to rural households to mobilise their savings.
2. Poor households tend to spend their earnings/savings due to lack of access to appropriate financial instruments.

Which of the statements given above is/are correct?

- (a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

46. What is the crucial message conveyed in the passage?

- (a) Establish more banks
- (b) Increase Gross Domestic Product (GDP) growth rate
- (c) Increase the interest rate of bank deposits
- (d) Promote financial inclusion

Passage

Governments may have to take steps which would otherwise be an infringement on the Fundamental Rights of individuals, such as acquiring a person's land against his will, or refusing permission for putting up a building, but the larger public interest for which these are done must be authorized by the people (Parliament). Discretionary powers to the administration can be done away with. It is becoming more and more difficult to keep this power within limits as the government has many number of tasks to perform. Where discretion has to be used, there must be rules and safeguards to prevent misuse of that power. Systems have to be devised which minimise, if not prevent, the abuse of discretionary power. Government work must be conducted within a framework of recognised rules and principles, and decisions should be similar and predictable.

47. Which among the following is the most logical assumption that can be made from the above passage?

- (a) Government should always be given wide discretionary power in all matters of administration.
- (b) The supremacy of rules and safeguards should prevail as opposed to the influence of exclusive discretion of authority.
- (c) Parliamentary democracy is possible only if the Government has wider discretionary power.
- (d) None of the above statements is a logical assumption that can be made from this passage.

परिच्छेद

बचत संग्रहण हेतु, सुरक्षित, विश्वसनीय और वैकल्पिक वित्तीय साधन (फाइनेंशियल इन्स्ट्रुमेंट्स) प्रदान करने वाली औपचारिक वित्तीय संस्थाओं का होना/स्थापित किया जाना मूलभूत रूप से आवश्यक है। बचत करने के लिए, व्यक्तियों को बैंक जैसी सुरक्षित और विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के सुलभ होने की, और उपयुक्त वित्तीय साधनों और पर्याप्त वित्तीय प्रोत्साहनों की आवश्यकता होती है। इस तरह की सुलभता भारत जैसे विकासशील देशों में, और उस पर भी ग्रामीण क्षेत्रों में, सभी लोगों को हमेशा उपलब्ध नहीं है। बचत से गरीब परिवारों को नकदी प्रवाह की अस्थिरता के प्रबंधन में मदद मिलती है, उपभोग में आसानी होती है, और कार्यशील पूँजी के निर्माण में मदद मिलती है। औपचारिक बचत तंत्र के सुलभ न होने से गरीब परिवारों में तुरन्त खर्च कर देने के प्रलोभनों को बढ़ावा मिलता है।

45. उपर्युक्त परिच्छेद के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. भारतीय वित्तीय संस्थाएँ ग्रामीण परिवारों को, अपनी बचत के संग्रहण के लिए कोई वित्तीय साधन उपलब्ध नहीं कराती।
2. गरीब परिवार, उपयुक्त वित्तीय साधनों के सुलभ न होने के कारण अपनी आय/बचत को व्यय करने की ओर प्रवृत्त होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों। (d) न तो 1, न ही 2

46. इस परिच्छेद के द्वारा क्या महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है?

- (a) अधिक बैंकों को स्थापित करना
- (b) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की संवृद्धि दर को बढ़ाना
- (c) बैंक जमा (डिपॉजिट) पर ब्याज दर को बढ़ाना
- (d) वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना

परिच्छेद

सरकारों को ऐसे कदम उठाने पड़ सकते हैं जो अन्यथा व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण करते हैं, जैसे किसी व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उसकी भूमि का अधिग्रहण करना, या किसी भवन-निर्माण की अनुमति देने से इनकार करना, किन्तु जिस बृहत्तर लोकहित के लिए ऐसा किया जाता है, उसे जनता (संसद) द्वारा प्राधिकृत किया जाना आवश्यक है। प्रशासन के विवेकाधिकार को समाप्त किया जा सकता है। चूंकि, सरकार को अनेकों कार्य करने पड़ रहे हैं, इस अधिकार को सीमा में रखना निरन्तर कठिन होता जा रहा है। जहाँ विवेकाधिकार का प्रयोग करना होता है, वहाँ उस अधिकार के दुरुपयोग को रोकने के लिए नियम एवं रक्षोपाय अवश्य होने चाहिए। ऐसी व्यवस्था की युक्ति करनी होगी, जो विवेकाधिकारों के दुरुपयोग को, यदि रोक न सके, तो न्यूनतम ही कर सके। सरकारी कार्य मान्य नियमों और सिद्धान्तों के ढाँचे के अन्तर्गत ही किए जाने चाहिए, तथा निर्णय समान रूप तथा पूर्वानुमेय (प्रिडिक्टेबल) होने चाहिए।

47. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन-सी, सर्वाधिक तार्किक धारणा बनाई जा सकती है?

- (a) सरकार को प्रशासन के सभी विषयों पर हमेशा विस्तृत विवेकाधिकार दिया जाना चाहिए।
- (b) प्राधिकार के अनन्य विशेषाधिकार के प्रभावी होने की अपेक्षा, नियमों और रक्षोपायों की सर्वोच्चता अभिभावी होनी चाहिए।
- (c) संसदीय लोकतंत्र तभी संभव है यदि सरकार को अपेक्षाकृत अधिक विस्तृत विवेकाधिकार प्राप्त हों।
- (d) उपर्युक्त में से कोई भी कथन ऐसी तार्किक धारणा नहीं है जो इस परिच्छेद से बनाई जा सके।

<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>India has suffered from persistent high inflation. Increase in administered prices, demand and supply imbalances, imported inflation aggravated by rupee depreciation, and speculation - have combined to keep high inflation going. If there is an element common to all of them, it is that many of them are the outcomes of economic reforms. India's vulnerability to the effects of changes in international prices has increased with trade liberalisation. The effort to reduce subsidies has resulted in a continuous increase in the prices of commodities that are administered.</p> <p>61. What is the most logical, rational and crucial message that is implied in the above passage?</p> <p>(a) Under the present circumstances, India should completely avoid all trade liberalisation policies and all subsidies.</p> <p>(b) Due to its peculiar socio-economic situation, India is not yet ready for trade liberalisation process.</p> <p>(c) There is no solution in sight for the problems of continuing poverty and inflation in India in the near future.</p> <p>(d) Economic reforms can often create a high inflation economy.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>भारत सतत उच्च मुद्रास्फीति से ग्रस्त रहा है। निर्देशित कीमतों में वृद्धि, माँग और पूर्ति में असंतुलन, रुपए के अवमूल्यन से बढ़तर हुई आयातित मुद्रास्फीति, और सट्टेबाजी — इन सबने मिलकर उच्च मुद्रास्फीति को बनाए रखा है। यदि इन सभी में कोई एक समान तत्व है, तो वह यह है कि इनमें से कई आर्थिक सुधारों के परिणाम हैं। अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में बदलाव के प्रभावों के प्रति भारत की सुभेद्यता (वल्नरेबिलिटी) व्यापार उदारीकरण के साथ-साथ और बढ़ी है। उपदानों को कम करने के प्रयासों के कारण उन वस्तुओं की कीमतों में निरन्तर वृद्धि हुई है जो निर्देशित हैं।</p> <p>61. उपर्युक्त परिच्छेद में अन्तर्निहित सर्वाधिक तार्किक, तर्कसंगत और महत्वपूर्ण संदेश क्या है?</p> <p>(a) मौजूदा परिस्थितियों में, भारत को पूरी तरह से व्यापार उदारीकरण की नीतियों एवं सभी उपदानों से बचना चाहिए।</p> <p>(b) अपनी विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक स्थिति के कारण, भारत अभी व्यापारिक उदारीकरण की प्रक्रिया के लिए तैयार नहीं है।</p> <p>(c) निकट भविष्य में भारत में सतत निर्धनता एवं मुद्रास्फीति की समस्याओं का कोई समाधान नहीं दिखता।</p> <p>(d) आर्थिक सुधार प्रायः उच्च मुद्रास्फीति वाली अर्थव्यवस्था उत्पन्न कर सकते हैं।</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>No Right is absolute, exclusive or inviolable. The Right of personal property, similarly, has to be perceived in the larger context of its assumed legitimacy. The Right of personal property should unite the principle of liberty with that of equality, and both with the principle of cooperation.</p> <p>62. In the light of the argument in the above passage, which one of the following statements is the most convincing explanation?</p> <p>(a) The Right of personal property is a Natural Right duly supported by statutes and scriptures.</p> <p>(b) Personal property is a theft and an instrument of exploitation. The Right of personal property is therefore violative of economic justice.</p> <p>(c) The Right of personal property is violative of distributive justice and negates the principle of cooperation.</p> <p>(d) The comprehensive idea of economic justice demands that the Right of each person to acquisition of property has to be reconciled with that of others.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>कोई भी अधिकार परम, अनन्य और अनुल्लंघनीय नहीं है। इसी तरह, व्यक्तिगत सम्पत्ति के अधिकार को उसकी कल्पित वैधता के बृहत्तर सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए। व्यक्तिगत सम्पत्ति के अधिकार में, स्वतंत्रता के सिद्धान्त का समता के सिद्धान्त के साथ, और इन दोनों का सहयोग के सिद्धान्त के साथ समन्वय होना चाहिए।</p> <p>62. उपर्युक्त परिच्छेद में दिए गए तर्क के आलोक में, निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सबसे अधिक विश्वासप्रद स्पष्टीकरण है?</p> <p>(a) व्यक्तिगत सम्पत्ति का अधिकार, संविधियों और धर्मग्रन्थों द्वारा विधिवत समर्थित, एक नैसर्गिक अधिकार है।</p> <p>(b) व्यक्तिगत सम्पत्ति एक चोरी है तथा शोषण का उपकरण है। अतः व्यक्तिगत सम्पत्ति का अधिकार आर्थिक न्याय का उल्लंघन है।</p> <p>(c) व्यक्तिगत सम्पत्ति का अधिकार वितरक न्याय का उल्लंघन है तथा सहयोग के सिद्धान्त को नकारता है।</p> <p>(d) आर्थिक न्याय का व्यापक विचार इस बात की माँग करता है कि प्रत्येक व्यक्ति के सम्पत्ति अर्जन के अधिकार को, दूसरों के सम्पत्ति अर्जन के अधिकार के साथ सामंजस्यपूर्ण होना चाहिए।</p>				
<p style="text-align: center;">Passage</p> <p>The conflict between man and State is as old as State history. Although attempts have been made for centuries to bring about a proper adjustment between the competing claims of State and the individual, the solution seems to be still far off. This is primarily because of the dynamic nature of human society where old values and ideas constantly yield place to new ones. It is obvious that if individuals are allowed to have absolute freedom of speech and action, the result would be chaos, ruin and anarchy.</p> <p>63. The author's viewpoint can be best summed up in which of the following statements?</p> <p>(a) The conflict between the claims of State and individual remains unresolved.</p> <p>(b) Anarchy and chaos are the obvious results of democratic traditions.</p> <p>(c) Old values, ideas and traditions persist despite the dynamic nature of human society.</p> <p>(d) Constitutional guarantee of freedom of speech is not in the interest of society.</p>	<p style="text-align: center;">परिच्छेद</p> <p>मानव एवं राज्य के मध्य संघर्ष उतना ही पुराना है जितना कि राज्य का इतिहास। यद्यपि सदियों से राज्य एवं व्यक्ति के प्रतिस्पर्धी दावों के बीच तालमेल बनाने के प्रयास हुए हैं, किन्तु समाधान अभी भी दूर प्रतीत होता है। यह मुख्यतः इसलिए है क्योंकि मानव समाज की प्रकृति गतिशील है जिसमें पुराने मूल्यों और विचारों ने निरन्तर नए मूल्यों और विचारों को स्थान दिया है। यह स्पष्ट है कि यदि व्यक्तियों को बोलने और कार्य करने की निरपेक्ष स्वतन्त्रता दे दी गई, तो उसका परिणाम अव्यवस्था, विनाश एवं अराजकता में हो सकता है।</p> <p>63. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक, लेखक के दृष्टिकोण का सर्वोत्तम सारांश प्रस्तुत करता है?</p> <p>(a) राज्य और व्यक्ति के दावों के बीच संघर्ष अनसुलझा बना रहता है।</p> <p>(b) अराजकता और अव्यवस्था लोकतांत्रिक परम्पराओं के स्वाभाविक परिणाम हैं।</p> <p>(c) मानव समाज की गतिशील प्रकृति के बावजूद प्राचीन मूल्य, विचार और परम्पराएँ बनी रहती हैं।</p> <p>(d) वाक् स्वातंत्र्य (फ्रीडम ऑफ स्पीच) की संवैधानिक गारंटी समाज के हित में नहीं है।</p>				
<p style="text-align: center;">Separate explanation videos are available in English & Hindi</p>					
<p>www.allinclusiveias.com</p>	<p>UPSC / PCS</p>	<p>CSAT</p>	<p>Class-12</p>	<p>Page-090</p>	<p>© All Inclusive IAS</p>

अंग्रेजी और हिंदी में अलग-अलग वीडियो उपलब्ध हैं

Passage

Climate change is a complex policy issue with major implications in terms of finance. All actions to address climate change ultimately involve costs. Funding is vital for countries like India to design and implement adaptation and mitigation plans and projects. Lack of funding is a large impediment to implementing adaptation plans. The scale and magnitude of the financial support required by developing countries to enhance their domestic mitigation and adaptation actions are a matter of intense debate in the multilateral negotiations under the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC). The Convention squarely puts the responsibility for provision of financial support on the developed countries, taking into account their contribution to the stock of greenhouse gases (GHGs) in the atmosphere. Given the magnitude of the task and the funds required, domestic finances are likely to fall short of the current and projected needs of the developing countries. Global funding through the multilateral mechanism of the Convention will enhance their domestic capacity to finance the mitigation efforts.

64. According to the passage, which of the following is/are a matter of intense debate in the multilateral negotiations under UNFCCC regarding the role of developing countries in climate change?

1. The scale and size of required financial support.
2. The crop loss due to climate change in the developing countries.
3. To enhance the mitigation and adaptation actions in the developing countries.

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 only (b) 2 and 3 only (c) 1 and 3 only (d) 1, 2 and 3

65. In this passage, the Convention puts the responsibility for the provision of financial support on the developed countries because of

1. their higher level of per capita incomes.
2. their large quantum of GDP.
3. their large contribution to the stock of GHGs in the atmosphere.

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 only (b) 1 and 2 only (c) 3 only (d) 1, 2 and 3

66. With regards to developing countries, it can be inferred from the passage that climate change is likely to have implications on their

1. domestic finances.
2. capacity for multilateral trade.

Select the correct answer using the code given below:

(a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

67. Which one of the following is essentially discussed in the passage?

- (a) Conflict between developed and developing countries regarding support for mitigation
- (b) Occurrence of climate change due to excessive exploitation of natural resources by the developed countries
- (c) Lack of political will on the part of all the countries to implement adaptation plans
- (d) Governance problems of developing countries as a result of climate change

परिच्छेद

जलवायु परिवर्तन एक ऐसा जटिल नीतिगत मुद्दा है जो वित्त पर व्यापक प्रभाव डालता है। जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले हर प्रयास में अन्ततः लागत शामिल है। भारत जैसे देशों के लिए, अनुकूलन (अडैप्टेशन) तथा न्यूनीकरण (मिटिगेशन) की योजनाओं और परियोजनाओं के अभिकल्पन और कार्यान्वयन के लिए निधीयन (फंडिंग) अत्यावश्यक है। निधि का अभाव अनुकूलन योजनाओं के कार्यान्वयन में एक बड़ी बाधा है। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज) (UNFCCC) के अन्तर्गत बहुस्तरीय वार्ताओं में, विकासशील देशों द्वारा उनके घरेलू न्यूनीकरण तथा अनुकूलन कार्यों के संवर्धन के लिए अपेक्षित वित्तीय सहायता का पैमाना तथा परिमाण सघन चर्चा के विषय हैं। यह सम्मेलन विकसित देशों पर, वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों (GHGs) के जमाव में उनके योगदान के आधार पर, वित्तीय सहायता का प्रावधान करने की समान रूप से जिम्मेदारी डालता है। इस कार्य की मात्रा तथा उसके लिए निधियों की आवश्यकता को देखते हुए, विकासशील देशों की मौजूदा तथा अनुमानित (प्रोजेक्टेड) आवश्यकताओं के लिए ज़रूरी घरेलू वित्तीय संसाधन कम पड़ने की संभावना है। इस सम्मेलन (कन्वेंशन) की बहुपक्षीय क्रियाविधि के माध्यम से किया गया वैश्विक निधीयन, न्यूनीकरण प्रयासों के वित्तपोषण के लिए उनकी घरेलू क्षमता की वृद्धि करेगा।

64. इस परिच्छेद के अनुसार, जलवायु परिवर्तन में विकासशील देशों की भूमिका के संदर्भ में UNFCCC के अन्तर्गत बहुपक्षीय वार्ताओं में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से गहन चर्चा का/के विषय हैं/हैं?

1. अपेक्षित वित्तीय सहायता का पैमाना तथा परिमाण।
2. विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली उपज की हानि।
3. विकासशील देशों में न्यूनीकरण तथा अनुकूलन कार्यों का संवर्धन करना।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

65. इस परिच्छेद में, यह सम्मेलन विकसित देशों पर वित्तीय सहायता का प्रावधान करने की जिम्मेदारी किस कारण डालता है?

1. उनका प्रति व्यक्ति आय का उच्चतर स्तर
2. उनकी GDP की अधिक मात्रा
3. वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों (GHGs) के जमाव में उनका बृहत् योगदान

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2 (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

66. विकासशील देशों के सम्बन्ध में, परिच्छेद से यह अनुमान निकाला जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन से उनके

1. घरेलू वित्त पर प्रभाव पड़ना संभावित है।
2. बहुपक्षीय व्यापार की क्षमता पर प्रभाव पड़ना संभावित है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

67. इस परिच्छेद में, निम्नलिखित में से किस एक पर अनिवार्यतः विचार-विमर्श किया गया है?

- (a) न्यूनीकरण हेतु सहायता देने के बारे में, विकसित और विकासशील देशों के बीच द्वन्द्व
- (b) विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के अतिशय दोहन के कारण जलवायु परिवर्तन का होना
- (c) अनुकूलन योजनाओं को कार्यान्वित करने में सभी देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति में कमी
- (d) जलवायु परिवर्तन के परिणाम के कारण, विकासशील देशों की शासन समस्याएँ